2019-2020

Name of the Department/Society: **हिंदी साहित्य परिषद्, हिंदी विभाग, हंसराज महाविद्यालय**
Name of the Event 2: हिंदी का समकालीन वैश्विक परिदृश्य
Date of the Event: 16th – 17th September 2019

हंसराज महाविद्यालय,हिंदी विभाग, हिंदी साहित्य परिषद द्वारा संचालित 16 – 17 सितंबर 2019 'हिंदी का समकालीन वैश्विक परिदृश्य' विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। हंसराज महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. रमा के सानिध्य में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में प्रो. रमा ने अतिथियों का स्वागत संबोधन किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे सत्र की अध्यक्षता प्रो. चंदन कुमार ने की।

तथा अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में वह कहते हैं कि हिंदी का मूल्यांकन सिर्फ एक राजभाषा या एक राष्ट्रभाषा के रूप में नहीं अपितु अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में होना चाहिए तथा हिंदी का सवाल देश तथा देश के युवाओं के भविष्य का सवाल है। वह आगे कहते हैं कि हिंदी के प्रचार प्रसार में हिंदी सितारों कलाकारों का वैश्विक परिदृश्य से हिंदी को सशक्त बनाने में (अंतरराष्ट्रीय स्तर पर) अहम भूमिका निभा रहें हैं । तथा अन्य वक्ताओं में ऑस्ट्रेलिया के चार्ल्स थॉमसन ने अपनी बात रखते हुए कहा कि किसी भी देश की मातृभाषा सबसे शक्तिशाली होती है तथा देश में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मातृभाषा शुद्ध रूप से बोलनी चाहिए ना कि अशुद्ध रूप से। तथा ग्रह मंत्रालय में कार्यरत अनिल जोशी ने संस्थाओं द्वारा की जा रही हिंदी की उपेक्षा पर प्रश्न उठाए तथा उन्होंने फिजी में हिंदी की स्थिति पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम का संचालन हंसराज महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार मिश्र ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राजेश कुमार शर्मा ने किया।

इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं एवं प्राध्यापकों तथा महाविद्यालयों की भागीदारी रही।